# RKSD College, Kaithal

## A Nine-Day Sanskrit Speaking Camp on Feb 1-9, 2018

- A nine-day Sanskrit speaking camp was organized by department of Sanskrit in collaboration with Haryana Sanskrit Academy, Panchkula and Sanskrit Bharti from 1-9 February 2018.

# RKSD College, Kaithal

# संस्कृत देश की महान सांस्कृतिक विरासत को संजोए हुए हैं : मोर

अमर उजाला ब्यूरो

कैथल।

आरकेएसडी कॉलेज में हरियाणा संस्कृत अकादमी पंचकूला के सौजन्य से चल रहे 9 दिवसीय संस्कृत सम्भाषण शिविर में बीएससी तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को बोटनी इन संस्कृत यानी प्राचीन संस्कृत शास्त्रों में जीव विज्ञान के उल्लेख से रुबरु करवाया गया।

प्रशिक्षकों आचार्य प्रदीप व अनिल शास्त्री की ओर से संस्कृत भाषा का ज्ञान दिया जा रहा है। शिविर के 5वें दिन की शुरुआत संस्कृत विभागाध्यक्ष डा. लक्ष्मी मोर की अध्यक्षता में हुई और ध्येय गीत, मंत्रोच्चारण आदि के गायन के साथ शिविर शुरू हुआ। इसके बाद संस्कृत की पांचवीं व छठी विभक्ति का प्रयोग करवाकर छात्र-छात्राओं को दैनिक जीवन की अनेक वस्तुओं का संस्कृत में उच्चारण करवाया गया तथा प्रशिक्षकों ने बातचीत में छोटे-छोटे वाक्यों का प्रयोग करना भी सिखाया।

इस शिविर में प्रतिदिन न केवल अलग-अलग विभागों के प्राध्यापक सहित विभिन्न विषयों कला संकाय, विज्ञान संकाय तथा वाणिज्य संकाय के साथ-साथ बीएड व फार्मेसी कालेज के विद्यार्थी भी संस्कृत सीखने की ललक से इस सम्भाषण शिविर का हिस्सा बन रहे हैं। विभागाध्यक्ष डा. लक्ष्मी मोर ने बताया कि संस्कृत हमारे देश की महान सांस्कृतिक विरासत को सौजन्य हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अक्षरों का उच्चारण कैसे किया जाता है यह विज्ञान सबसे पहले संस्कृत भाषा के माध्यम से विश्व में फैला। शिविर संयोजिका डा. विनय सिंहल ने कहा कि शिविर का संस्कृत सम्भाषण शिविर देववाणी को जीवंत रखने की मुहिम है और इससे सबका जुडना वास्तव में इसके आयोजन की सार्थकता है। इस मौके पर विभागध्यक्ष डा. लक्ष्मी मोर, संयोजिका विन सिंहल, व सह संयोजिका ऋचा लाग्यान सहित बी.एड. कालेज की प्राचार्य डा. कमलेश संधु सहित डा. दीप शिखा, डा. मजूला, प्रो. अर्चना, डा. अशोक अजी, पीआरओ महेंद्र खन्ना आदि मौजूद रहे।

आरकेएसडी कॉलेज में संस्कृत संभाषण शिविर के दौरान प्रदर्शनी में विद्यार्थियों को जानकारी देतीं संयोजिका विन सिंघल। अमर उजाला

# RKSD College, Kaithal

*संस्कृत सम्भाषण शिविर में मौजूद विभागाध्यक्ष डा. लक्ष्मी मोर व अन्य।* (फोटो)

## संस्कृत देश की महान सांस्कृतिक विरासत को संजोए हुए है : डा. लक्ष्मी मोर

### शिविर के 5वें दिन विज्ञान के विद्यार्थियों को संस्कृत शास्त्रों में जीव विज्ञान के उल्लेख से करवाया रू-ब-रू

कैथल, 5 फरवरी (स.ह.): आर.के.एस.डी. कालेज में हरियाणा संस्कृत अकादमी पंचकूला के सौजन्य से चल रहे 9 दिवसीय संस्कृत सम्भाषण शिविर में आज बी.एस.सी. तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को बोटनी इन संस्कृत यानी प्राचीन संस्कृत शास्त्रों में जीव विज्ञान के उल्लेख से रू-ब-रू करवाया गया। प्रशिक्षकों आचार्य प्रदीप व अनिल शास्त्री द्वारा संस्कृत भाषा का ज्ञान दिया जा रहा है।

शिविर के 5वें दिन की शुरूआत संस्कृत विभागाध्यक्ष डा. लक्ष्मी मोर की अध्यक्षता में हुई और ध्येय गीत व मंत्रोच्चारण आदि के गायन के साथ शिविर शुरू हुआ। इसके उपरांत संस्कृत की 5वीं व 6वीं विभक्ति का प्रयोग करवाकर छात्र-छात्राओं को दैनिक जीवन की अनेक वस्तुओं का संस्कृत में उच्चारण करवाया गया। इस शिविर में प्रतिदिन न केवल अलग-अलग विभागों के प्राध्यापक सहित विभिन्न विषयों कला संकाय, विज्ञान संकाय तथा वाणिज्य संकाय के साथ-साथ बी.एड. व फार्मेसी कालेज के विद्यार्थी भी संस्कृत सीखने की ललक से इस सम्भाषण शिविर का हिस्सा बन रहे हैं। विभागाध्यक्ष डा. लक्ष्मी मोर ने बताया कि संस्कृत हमारे देश की महान सांस्कृतिक विरासत को सौजन्य हुए हैं।

शिविर संयोजिका डा. विनय सिंघल ने कहा कि शिविर का संस्कृत सम्भाषण शिविर देववाणी को जीवंत रखने की मुहिम है। इस मौके पर विभागाध्यक्ष डा. लक्ष्मी मोर, संयोजिका विन सिंघल, व सह संयोजिका ऋचा लांग्यान सहित बी.एड. कालेज की प्राचार्य डा. कमलेश संधू सहित डा. दीपशिखा, डा. मंजुला, प्रो. अर्चना, डा. अशोक अत्री व पी.आर.ओ. महेंद्र खन्ना इत्यादि मौजूद रहे।

# RKSD College, Kaithal

-

# संस्कृत सम्भाषण शिविर में लगाई पुस्तक प्रदर्शनी

P.K. 9-2-18

## प्रिंसीपल डा. ओ.पी. गर्ग ने किया प्रदर्शनी का उद्घाटन, कहा : पुस्तकें हमारे जीवन को सही दिशा में ले जाने का करती हैं मार्ग प्रशस्त

कैथल, 8 फरवरी (स.ह.): हरियाणा संस्कृत अकादमी पंचकूला के सौजन्य से आर.के.एस.डी. कालेज में चल रहे 9 दिवसीय सम्भाषण शिविर में आज संस्कृत के महत्व को प्रतिबिंबित करती हुई पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। प्रिंसीपल डा. ओ.पी. गर्ग ने पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए प्रदर्शनी में संस्कृत भारती द्वारा रखी गई 250 से अधिक पुस्तकों की जानकारी हासिल की और प्राइड ऑफ इंडिया, साईंस इन संस्कृत, हुतात्मा पद्मिनी, कर्मयोगी राष्ट्रभक्त बाबा साहेब आप्टे, शहीद भक्त सिंह, पंचतंत्र कथाएं, राष्ट्रनायक डा. अम्बेदकर, समर्थ स्वामी रामदास, महात्मा तुका राम इत्यादि महापुरुषों के जीवन दर्शन का अक्स दिखाती पुस्तकों का अवलोकन भी किया। उन्होंने कहा कि पुस्तकें जीवन को सही दिशा में ले जाने का रास्ता दिखाती हैं। उन्होंने कहा कि आर.के.एस.डी. कालेज पूरे प्रदेश में पहचान रखता है और अलग-अलग कोर्सों में यहां के विद्यार्थी शिक्षा उपरांत सेवाएं देकर कालेज को गौरवान्वित होने का मौका दे रहे हैं, बावजूद इसके इस महाविद्यालय से भारतीय प्रशासनिक सेवा में जाने वाले विद्यार्थियों की कोई लंबी सूची नहीं है। अतः अकादमी के निदेशक ए.के. मिश्रा द्वारा आयोजित किए जाने वाले इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राएं स्वेच्छा से भाग लें और जिंदगी में आगे बढ़ें। इस अवसर पर संस्कृत विभागाध्यक्ष डा. लक्ष्मी मोर, संयोजिका डा. विनय सिंघल, सह-संयोजिका प्रो. ऋचा लाग्यान व डा. अशोक अत्री मौजूद रहे।



*संस्कृत सम्भाषण शिविर में लगाई पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन करते प्रिंसीपल व अन्य।*

-

# संस्कृत के महत्व को बताती पुस्तक प्रदर्शनी

अमर उजाला ब्यूरो AU

कैथल। 9-2-18

हरियाणा संस्कृत अकादमी पंचकूला के सौजन्य से आरकेएसडी कालेज में चल रहे 9 दिवसीय सम्भाषण शिविर में संस्कृत के महत्व को प्रतिबिंबित करती हुई पुस्तक प्रदर्शनी का शुभारंभ हुआ। प्रिंसिपल डा. ओपी. गर्ग ने पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन करते हुए प्रदर्शनी में संस्कृत भारती द्वारा रखी गई 250 से अधिक पुस्तकों की जानकारी हासिल की।

प्राइड ऑफ इंडिया, साईंस इन संस्कृत, हुतात्मा पद्मिनी, कर्मयोगी राष्ट्रभक्त बाबा साहेब आप्टे, शहीद भक्त सिंह, पंचतंत्र कथाएं, राष्ट्रनायक डा. अम्बेडकर, समर्थ स्वामी रामदास, महात्मा तुका राम इत्यादि महापुरुषों के जीवन दर्शन का अक्स दिखाती हुई पुस्तकों का अवलोकन भी किया। उन्होंने कहा कि पुस्तकें जीवन को सही दिशा में ले जाने का रास्ता दिखाती हैं। इस अवसर पर संस्कृत विभागाध्यक्ष डा. लक्ष्मी मोर, संयोजिका डा. विनय सिंघल, सह-संयोजिका प्रो. ऋचा लाग्यान व डा. अशोक अत्री मौजूद रहे।



पुस्तक प्रदर्शनी का अवलोकन करते प्रिंसिपल व अन्य। अमर उजाला